आईआईएमए के 58वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 597 युवा अग्रणी स्नातक हुए

~ सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री एन.आर. नारायण मूर्ति इस समारोह के मुख्य अतिथि रहे

~ श्री पंकज आर. पटेल, अध्यक्ष, आईआईएमए शासी मंडल और प्रोफेसर भारत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए ने इस समारोह में संबोधन किया

~ आज आईआईएमए के पूर्वछात्र नेटवर्क की संख्या 41,875 तक पहुँच गई है

2 अप्रैल, 2023: प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान - भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए), ने अपना 58वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह प्रसिद्ध लुई कान प्लाजा में आयोजित किया, जहाँ वर्ष 1974 से आज तक स्नातक छात्रों के लिए सारे दीक्षांत समारोह आयोजित किए गए हैं। इस समारोह में श्री एन.आर. नारायण मूर्ति, संस्थापक, इनफ़ोसिस लिमिटेड मुख्य अतिथि के रूप में, श्री पंकज पटेल, अध्यक्ष, आईआईएमए शासी मंडल; प्रोफेसर भारत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए; बोर्ड के सदस्यों और संकाय सदस्यों के साथ उपस्थित रहकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

परिसर में उत्सव जैसा माहौल था और इस दीक्षांत समारोह के दौरान भी पूरा माहौल उत्साह से भरा हुआ था - जो कि आईआईएमए के छात्रों के जीवन का सबसे बड़ा क्षण होता है। जैसे ही दीक्षांत समारोह की शोभायात्रा ने कार्यक्रम स्थल में प्रवेश किया, इस समारोह में उपस्थित परिवार के सदस्यों एवं अन्य अतिथियों ने उनका स्वागत तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किया।

इस शोभा-यात्रा का नेतृत्व प्रोफेसर प्रद्युम्न खोखले, डीन (कार्यक्रम) ने किया, उनके साथ प्रबंधन में पीएचडी कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर दीप्तेश घोष, सभी कार्यक्रमों के अध्यक्ष, संकाय सदस्य और छात्र आईआईएमए लोगो के साथ औपचारिक स्टोल पहने हुए थे।

सभी डीन और कार्यक्रम अध्यक्षों ने बैंगनी स्टोल पहन रखा था, मुख्य अतिथि, अध्यक्ष महोदय, निदेशक महोदय ने सुनहरे पीले रंग का स्टोल पहना था, संकाय सदस्यों ने गहरे नीले रंग का स्टोल पहना था और बोर्ड के अन्य सदस्यों ने इस समारोह में भूरे रंग के स्टोल पहने थे। पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स और पीएचडी छात्रों ने अपनी कक्षा के लिए तय क्रमशः हल्का नीला, हरा, पीला और लाल रंग के स्टोल पहने थे।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, **श्री एन.आर. नारायण मूर्ति** ने कहा, "एक लीडर का सबसे शक्तिशाली साधन नेतृत्व की ऐसी मिसाल देना है जिसमें साहस, बलिदान, आशा, आत्मविश्वास, नवीनता, कड़ी मेहनत, सच्चाई, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जवाबदेही, तपस्या, अनुशासन, एक अच्छी मूल्य प्रणाली और ग्रहणशीलता का प्रदर्शन किया हो। जब आप शीर्ष पर होते हैं और आपके पास शक्ति और धन होता है तब आप कैसा व्यवहार करते हैं, यही आपका सच्चा चरित्र है। ऐसे क्षणों में, अनुग्रह, शिष्टाचार और दूसरों के प्रति बताई गई विनम्रता ही आपके वास्तविक स्वरूप को प्रकट करती है। भविष्य में, जब आपकी विंडशील्ड पर कोहरा हो ऐसे समय में, मुझे उम्मीद है कि समय के साथ अपरिवर्तनीय ये आदर्श आपके समक्ष स्पष्ट होते रहेंगे। ये आदर्श समापन रेखा को परिभाषित करते हैं। जब तक ये आदर्श आपका दूसरा स्वभाव नहीं बन जाते, तब तक मेरे युवा मित्रों, आपकी यात्रा और मिशन समाप्त नहीं होंगे।

भविष्य के भारत के लिए मेरी यह आशा है कि भविष्य के आप जैसे कॉर्पोरेट लीडर, यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी युगों के लिए, सभी मौसमों के लिए, सभी क्षेत्रों के लिए, सभी व्यवसायों के लिए, और सभी लोगों के लिए, हमारे देश का नेतृत्व आज जो मेरे द्वारा रखे गए हैं उन्हीं आदर्शों से हो। आप मौलिक बनें। साहसी बनें। तर्कसंगत बनें। ऐसा कुछ जरूर बनें जो आपके उद्देश्य की अखंडता पर जोर दे। "

समारोह में संबोधन करते हुए, **श्री पंकज पटेल, अध्यक्ष, आईआईएमए शासी मंडल ने** कहा, "इस बात में कोई संदेह नहीं है कि इस संस्थान के छात्रों के रूप में आपके पास जो प्रतिभा है और जिस संस्थान में आप शामिल होंगे या जिसे स्थापित करेंगे, उसमें आप लोग मूल्य जोड़ेंगे। आपसे कई अपेक्षाएँ हैं। इस बात का संज्ञान लें कि जो आपने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों से सीखा है उसे विकसित करें और जब भी अवसर मिले उन पर निर्माण करना और उन्हें साझा करना जारी रखें।

किसी भी उन्नत शिक्षण अनुभव की परिभाषित विशेषता विचारों की विविधता और पूछताछ की प्रक्रिया है जो इसे बढ़ावा देती है। हम आशा करते हैं कि आप अन्वेषण के इस मार्ग पर बने रहेंगे और प्रश्न पूछने और जिज्ञासु रहने की प्रवृत्ति को जीवित रखेंगे।"

अपने समापन भाषण में, **प्रोफेसर भारत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए ने** कहा, " "आईआईएमए संस्थानों और उद्यमी संगठनों के अग्रणियों को शिक्षित और पोषित कर रहा है और उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा को तैयार करने और मूल्य निर्माण के उनके प्रयासों में उनका समर्थन कर रहा है। हमारा ध्यान न केवल अत्याधुनिक अनुसंधान करके उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर है; और न केवल विशिष्ट तथा प्रभावशाली शिक्षण को बढ़ावा देना है; और विभिन्न

विषयों में ज्ञान-सृजन के लिए सार्थक योगदान को सक्षम करना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि संलग्न संकायों, शिक्षा का सहयोगात्मक माहौल, विविध गतिविधियों, और व्यावसायिक विकास के अवसरों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित किया जाए।"

स्नातक हो रहे छात्रों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "हमेशा याद रखें कि अब आप आईआईएम अहमदाबाद के पूर्वछात्रों के शानदार नेटवर्क का हिस्सा हैं जिन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। आपस में जुड़े रहें और एक-दूसरे का समर्थन करें, और याद रखें कि एक साथ रहने से, दुनिया आपकी मुट्ठी में है, आप वह सब कुछ हासिल कर सकते हैं जो आप चाहते हैं।"

इस वर्ष आईआईएमए से कुल 597 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जिसमें 380 छात्रों ने प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी), 48 छात्रों ने खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी -एफ़एबीएम); 140 छात्रों ने कार्यकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स), और 29 छात्रों ने प्रबंधन में पीएचडी कार्यक्रम (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त की। उन सभी ने आईआईएमए शासी मंडल के अध्यक्ष से अपना स्नातक प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

बैच के पाँच सर्वश्रेष्ठ छात्रों – पीजीपी से तीन, पीजीपी-एफ़एबीएम से एक, और पीजीपीएक्स से एक छात्र को उनकी श्रेष्ठ शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मान के रूप में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन सभी ने **श्री एन.आर. नारायण मूर्ति** शासी मंडल के अध्यक्ष से अपना स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

शैक्षणिक वर्ष 2022 -2023 में कैंपस फिर से जीवंत हो उठा क्योंकि हमने महोत्सव समारोह, खेल टूर्नामेंट, स्पीकर सत्रों और ज्ञान कार्यक्रमों सहित छात्र-नेतृत्व वाली गतिविधियों का पूर्ण पुनरुद्धार देखा। छात्र दोनों ऑन-कैंपस और ऑफ कैंपस गतिविधियों में भाग ले रहे हैं।

इस वर्ष भी आईआईएमए का पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम और एमबीए-पीजीपीएक्स के छात्रों के लिए विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों से प्रस्ताव प्राप्त करने के साथ एक सफल स्थानन समय रहा। हमारे पूर्वछात्रों के प्रदर्शन ने नियोक्ताओं के बीच विश्वास पैदा करना जारी रखा है, जो हर साल परिसर में आ रहे हैं और हमारे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न भूमिकाओं के लिए काम पर रख रहे हैं।

अध्यक्ष द्वारा दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा के साथ समारोह का समापन हुआ। जैसे ही समारोह का समापन हुआ, छात्र अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों से मिलने गए, फिर

बाद में वे आईआईएमए के पूर्वछात्रों के रूप में मिलेंगे। इन बैचों के उत्तीर्ण होने के साथ, आईआईएमए के पूर्वछात्रों का नेटवर्क अब 41875 की संख्या तक पहुँच गया है, जो दुनिया भर में फैला हुआ है।

जैसा कि दीक्षांत समारोह का समापन हो गया है, आईआईएमए 2023-2024 की पीजीपीएक्स कक्षा का अप्रैल के अंत में और पीजीपी एवं एफएबीएम कक्षाओं का जून में स्वागत करने की तैयारी कर रहा है।

<u>आईआईएम (IIM) अहमदाबाद के बारे में:</u> भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख, ग्लोबल मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट है, जो मैनेजमेंट एजुकेशन के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे प्रमुख है। 60 वर्षों की विरासत के साथ, यह अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले रिसर्च, आगामी लीडर्स की शिक्षा, उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव बनाने के माध्यम से छात्रवृत्ति, अभ्यास और नीति में अनुकरणीय योगदान की साख लिए हुए है। आईआईएमए (IIMA) की स्थापना सन् 1961 में एक अभिनव पहल के रूप में सरकार, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा जगत द्वारा की गई थी। तब से, यह अपने वैश्विक पदचिह्न को सुदृढ़ करता आ रहा है, और आज दुबई में उपस्थिति के साथ ही इसका 80 से अधिक शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मजबूत नेटवर्क है।

इसके प्रतिष्ठित फैकल्टी मेंबर्स और विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर कार्यरत लगभग 40,000 पूर्व छात्रों ने भी इसकी वैश्विक पहचान में अभूतपूर्व योगदान दिया है। इन वर्षों में, आईआईएमए (IIMA) के शैक्षणिक रूप से श्रेष्ठ, बाजार संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा प्राप्त की है। यह ईक्यूयूआईएस (EQUIS) से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन चुका है। प्रसिद्ध फ्लैगशिप दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी) को एफटी मास्टर्स की मैनेजमेंट रैंकिंग 2021 में 26वाँ स्थान मिला है और एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2023 में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जिक्यूटिव्स (पीजीपीएक्स) को 51वाँ स्थान मिला है।

इस इंस्टिट्यूट को भारत सरकार के नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), इंडिया रैंकिंग 2022 में भी प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आईआईएमए (IIMA) व्यावसायिक लीडर्स, नीति निर्माताओं, उद्योग के पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र बलों के कर्मियों, कृषि-व्यवसाय और अन्य नीश सेक्टर के विशेषज्ञों और उद्यमियों सहित विविध श्रोताओं के लिए अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूपों में परामर्श सेवाएँ और 200 से अधिक क्यूरेटेड कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईएमए के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://www.iima.ac.in/ विज़िट करें।

मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें --

कमला चौधरी संचार केंद्र, आईआईएमए

सोफिया क्रिस्टीना | gm-comm@iima.ac.in

सुनीता अरविंद | pr@iima.ac.in | +91 84509 00643

आर्कीटाइप

समीक्षा जेटली | sameeksha.jaitly@archetype.co | +91 95609 74373